

कक्षा में केस प्रस्तुति

1. फातिमा ने 18 दिसम्बर को सुबह 9 बजकर 30 मिनट ओर 40 सेकंड पर एक लड़की को जन्म दिया। फातिमा का गर्भकाल उस समय 9 महीने 2 दिन था। शिशु जन्म के समय ज़ोर से रोया और 30 से. पर ठीक से साँस ले रहा था। उसका वज़न 2 कि.ग्रा. 600 ग्रा. था। आशा ने प्रसव के तुरंत बाद उसे माँ के स्तनों से लगाया और उसने ठीक से दूध पिया।

क्या शिशु अधिक खतरे वाला है ? **नहीं; वह समय पूरा होने पर जन्मा है, उसका वज़न ठीक है, वह ठीक से रोया, साँस ठीक से चल रही थी और ठीक प्रकार से स्तनपान कर रहा था।**

पन्द्रहवें दिन आशा ने घर का नियमित दौरा किया। आशा ने शिशु का तापमान लिया जो 100.8° फ़ै. (38.2° सें.) था। जाँच करने पर मालूम हुआ कि शिशु की टुंडी पर मवाद था।

आशा ने शिशु का पैरासिटामॉल से उपचार किया और 1 घंटा इन्तजार किया। शिशु का बुखार कम नहीं हुआ।

क्या शिशु को सेप्सिस हो गया है ? **हाँ**

यदि हाँ, तो उसमें क्या लक्षण दिखाई दिए : **बुखार और टुंडी पर मवाद**

यदि नहीं, तो क्यों : _____

2. अंजुम ने एक लड़के को जन्म दिया। उसका वज़न 2.2 कि.ग्रा. था। प्रसव के तुरंत बाद आशा ने शिशु को स्तनपान कराने में अंजुम की मदद की। पहले से ही शिशु ठीक से स्तनपान नहीं कर पा रहा था। अगले 3 दिनों तक आशा ने शिशु को स्तनों से लगाने और माँ-बच्चे को सही स्थिति में रखने तथा प्रोत्साहित करने की कोशिश की। दूसरे दिन आशाने नाल पकी हुई देखी। चौथे दिन शिशु ठीक से स्तनपान करने लगा।

क्या उसे सेप्सिस (जन्तुदोष) हुआ है ? **नहीं**

यदि हाँ तो क्यों ? यदि नहीं तो क्यों ?

नहीं; यद्यपि दूसरे दिन शिशु की नाल पक गई थी, पर उसे स्तनपान करने में जन्म से ही कठिनाई हो रही थी अतः केवल एक ही लक्षण देखा गया।— दूसरे दिन नाल के पकने के आधार पर शिशु को सेप्सिस (जन्तुदोष) नहीं माना जा सकता।

दूसरे दिन आप क्या करेंगी ?

नाल को रूई के फोहे से साफ करे और उस पर जी वी पेंट लगाएँ।

माँ को बतायें कि दिन में 2 बार नाल पर जी वी पेंट लगाएँ।

अगले दिन नाल की जाँच करें